Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MSV-CT-201

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2023

एम. ए. व्याकरण, द्वितीयसत्रम्

संस्कृतव्याकरणम् (5)

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. 'न क्त्वा सेट्' इत्यस्य सूत्रस्य भाष्यरीत्या स्वशब्दैः व्याख्या कार्या।
2. 'इको झल्'? इत्यस्य सूत्रस्य भाष्यमनुसृत्य स्वशब्दैः व्याख्या करणीया।
3. 'अचश्च'? किमयमलोन्त्यशेष आहोस्वित् तस्यापवादः? भाष्यरीत्या निर्णयो विधेयः।
4. 'उच्चैरूदात्तः, नीचैर...' इत्यत्र षष्ठी निर्दिष्टमज्ग्रहणम् अनुवर्तते। उत्ताहो नः?
5. 'हलन्ताच्च' इत्यस्य सूत्रस्य स्वशब्दैः भाष्यरीत्या व्याख्या कार्या।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. 'रलोव्युपधा.' इत्यत्र किं रलः क्त्वासनोः कित्वं विधीयते, आहोस्वित्प्रतिषिध्यते?
7. 'सार्वधातुकमपित्' इत्यत्र पर्युदास आहोस्वित्प्रसज्य प्रतिषेधः?
8. 'सरूपाणाम्.....' इत्यत्र रूप-ग्रहणं किमर्थम्?
9. 'इन्धिभवतिभ्याम् च.' इत्ययं योगो वक्तव्यो वा न वक्तव्यः?

(वाक्यपदीयम्)

10. 'अनादि निधनं ब्रह्म शब्दतत्त्वं यदक्षरम्।'
    विवर्ततेऽर्थ भावेन प्रक्रियाजगतो यतः।।
11. अर्थ प्रवृत्ति तत्वानां शब्दा एव निबन्धनम्।
    तत्वावबोधः शब्दानां नास्ति व्याकरणादृते।।
12. आसन्न ब्रह्मणस्तस्य, तपसामुत्तमं तपः।
    प्रथमं छन्दसामङ्गं प्राहुर्व्याकरणं बुधाः।।

----------x----------